पर्यटन, वन और आयुष विभाग बना रहे साझा रणनीति, काशी से जोड़कर पर्यटन मानचित्र पर लाने की योजना

सोनभद्र बनेगा ईको पर्यटन का केंद्र

तैयारी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। प्राकृतिक दृष्टि से बेहद संपन्न किंतु उपेक्षित सोनभद्र जिला अब यूपी में ईको पर्यटन का नया और बड़ा केंद्र बनेगा। लाखों वर्ष पुराने जीवाश्म सहित तमाम प्राकृतिक सौंदर्य यहां बिखरा पड़ा है। पर्यटन विभाग अब वन पर्यावरण और आयुष विभाग की मदद से इस इलाके में ठहरने के इंतजाम सहित तमाम पर्यटन सुविधाएं विकसित करेगा। यहां आने वालों के लिए प्राकृतिक चिकित्सा के जरिए आरोग्य का भी इंतजाम होगा। सोनभद्र को काशी से जोड़ते हुए उसकी ब्रांडिंग की योजना है।

प्रदेश सरकार का जोर धार्मिक पर्यटन के साथ ईको पर्यटन पर भी है। इसके अलावा प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म की भी नई संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इसी कवायद के क्रम में अब सोनभद्र जिले में स्थित प्राकृतिक स्थलों की ओर पर्यटकों को आकर्षित किया जाएगा। सलखन स्थित फासिल पार्क में जीवाश्म लगभग 1400 मिलियन वर्ष पुराने होने का अनुमान है। इस पार्क में पाए गए जीवाश्म शैवाल और स्ट्रॉमैटोलाइट्स जीवाश्म हैं। कैमूर वन्यजीव अभ्यारण्य के निकट स्थित यह पार्क कैमर रेंज में लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है।

प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम ने बताया कि फासिल पार्क के अलावा धंधरौल डैम, अबाड़ी पिकनिक स्पॉट, हाथीनाला बायोडायवर्सिटी पार्क, झरने सहित तमाम दर्शनीय स्थल यहां स्थित हैं। पर्यटन, वन एवं आयुष विभाग ने सामूहिक रूप से इस क्षेत्र में ईको टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने की रूपरेखा तैयार की है। पर्यटन विभाग को वहां जमीन भी मिल गई है, जहां टैंट सिटी का निर्माण प्रस्तावित है।

1400 मिलियन वर्ष पुराना है जीवाश्म पार्क

- ठहरने का इंतजाम समेत कई सुविधाएं विकसित की जाएंगी

तीन विभागों के मंत्री-अफसर कल करेंगे दौरा

सोनभद्र में ईको और मेडिकल टूरिज्म को विकसित करने की योजना को मूर्त रूप देने की कवायद शुरू हो गई है। 16 दिसंबर को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु और वन पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार सक्सेना और तीनों विभागों के अफसरों की टीम सोनभद्र जाएगी।

तय कार्यक्रम के हिसाब से जयवीर सिंह टीम सहित सोनभद्र के मऊ कलाग्राम में पर्यटन विभाग को मिली जमीन का निरीक्षण करेंगे। यहां टैंट सिटी बनाया जाना है। फिर राबर्ट्सगंज के धंधरौल डैम देखने जाएंगे। इसे पर्यटन दृष्टि से विकसित करने की योजना है। सलखन फासिल्स पार्क का निरीक्षण करेंगे। यहां इंटरप्रिटेशन सेंटर सहित अन्य सुविधाएं विकसित होंगी। सोनभद्र के ओबरा में अबाड़ी पिकनिक स्पॉट और दुद्धी के ग्राम साउडीह में हाथीनाला बायोडायवर्सिटी हॉट स्पॉट को भी टीम देखेगी।

ललितपुर में फार्मा पार्क के लिए शुरू हुई सर्वे प्रक्रिया

लखनऊ। ललितपुर के कुल पांच गांवों में 1472 एकड़ में फैले फार्मा पार्क के लिए सर्वे प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने सर्वे प्रक्रियाओं को पूर्ण करने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की है।

यूपीसीडा ने फिक्स्ड प्राइस बिड्स प्रक्रिया के तहत सर्वेयर एजेंसी के निर्धारण के लिए ई-निविदा के जरिए आवेदन मांगे हैं। इस प्रक्रिया से चयनित होने वाली सर्वे एजेंसी को फार्मास्यूटिकल यूनिट्स के संचालन के लिए सॉयल टेस्टिंग, कॉन्टूर मैपिंग व टोपोग्राफिकल इनवेस्टिगेशन जैसी प्रक्रियाओं को पूरा करेगी। इसके अतिरिक्त, उरई में साइट-1 व 2 तथा प्लास्टिक सिटी दिबियापुर में लेआउट गाइड मैप, सेक्टोरियल मैप व गैन्ट्री साइनेज बोर्ड उपलब्ध कराने के लिए भी एजेंसी निर्धारण के लिए आवेदन मांगे गए हैं। उत्तर प्रदेश के ललितपुर में एक समर्पित फार्मा पार्क स्थापित करने की योजना है। यूपीसीडा द्वारा निर्धारित की गई एजेंसी द्वारा कुल भूमि सर्वेक्षण में आधुनिक सर्वेक्षण तकनीकों (जैसे डिजिटल टोटल स्टेशन, डीजीपीएस, ड्रोन आदि) का उपयोग कर 1:4000 पैमाने में मानचित्र तैयार किया जाएगा।

दिबियापुर में प्लास्टिक सिटी परियोजना बढ़ेगी

यूपीसीडा द्वारा उरई में साइट-1 व 2 तथा प्लास्टिक सिटी दिबियापुर में भी तमाम विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। इस क्रम में, यूपीसीडा ने लेआउट गाइड मैप्स, सेक्टोरियल मैप्स व गैंट्री साइनेज बोर्ड उपलब्ध कराने के लिए एजेंसी के निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।